



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 468] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 16, 1994/भाद्र 25, 1916

No. 468] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 16, 1994/BHADRA 25, 1916

गृह मंत्रालय

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1994

का. आ. 680(अ) :— भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में दिनांक 17 मार्च, 1994 को प्रकाशित भारत सरकार, गृह मंत्रालय की दिनांक 17 मार्च, 1994 की श्रधिसूचना सं. का. आ. 227(अ) के आंशिक संशोधन में, जिसमें सार्वजनिक महत्व के मामले, अर्थात् 6 दिसम्बर, 1992 को अयोध्या में राम जन्म भूमि—वावरी भस्त्रिद ढांचे को गिराए जाने के निश्चित मामले को जात करने के लिए जाव अयोग का कार्यकाल बढ़ाया गया था, यह तिर्णव लिया गया है कि उक्त अयोग, अर्थात् लिवरहात अयोध्या अधिकारीय अयोग, अपनी रिपोर्ट 31 मार्च, 1995 को या उसमें पहले प्रस्तुत करेगा।

[सं. सं. - 71013/01/94 - अयोध्या - II]  
विनोद बाल, संयुक्त सचिव (अयोध्या)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 16th September, 1994

S.O. 680 (E).—In partial modification of the Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 227(E) dated the 17th March, 1994, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 17th March, 1994, extending the tenure of the commission of Inquiry, to inquire into a definite matter of public importance, namely, the destruction of the Ram Janma Bhoomi-Babri Masjid structure at Ayodhya on the 6th December, 1992, it has been decided that the said Commission namely, the Liberhan Ayodhya Commission of Inquiry, will submit its report on or before the 31st March, 1995.

[No. C-71013/01/94-AY.II]  
VINOD DHALL, Jt. Secy. (AY)